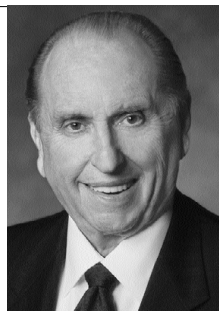

**अध्यक्ष थॉमस एस.
मॉनसन द्वारा**

शांत, थम जा

कुछ साल पहले एक दिन, कार्यालय का काम समाप्त करने के बाद, मुझे एक बुज़ुर्ग विधवा से मिलने की प्रभावशाली अनुभूति हुई जो कि सॉल्ट लेक सिटी में वरिष्ठ देख-रेख केन्द्र में मरीज थी । मैं सीधे वहां के लिए चल पड़ा ।

जब मैं उसके कमरे में गया, मैंने इसे खाली पाया । मैंने उसके बारे में परिचारिका से पूछा और मुझे प्रतिक्षालय में जाने के लिए कहा गया । जहां मैंने इस प्यारी विधवा को उसकी बहन और साथी से भेंट करते हुए पाया । हमने मिलकर खुशनुमा बातचीत की ।

जब हम बातें कर रहे थे, एक व्यक्ति मशीन से सोडे का कैन लेने के लिए कमरे के दरवाजे पर आया । उसने मेरी ओर देखा और कहा, ''क्यों, आप टॉम मॉनसन हैं ।''

''हां,'' मैंने जवाब दिया । ''और आप हैमींगवे की तरह दिख रहे हैं ।''

उसने माना कि वह स्टीफन हैमींगवे, एलफ्रैड यूजिनी हैमींगवे का बेटा है, जिसने मेरे सलाहकार के रूप में सेवा की थी जब मैं कई साल पहले बिशप था और जिसे मैं जिनी बुलाता था । स्टीफन ने मुझे कहा कि उसके पिता भी उसी केन्द्र में थे और मृत्यु के निकट थे । जिनी मेरा नाम पुकारता था, और परिवार मुझ से संपर्क करना चाहता था लेकिन मेरा फोन नंबर नहीं प्राप्त कर पाया था ।

मैंने तुरन्त उनसे विदा ली और स्टीफन के साथ अपने पूर्व सलाहकार के कमरे की ओर चल पड़ा, जहां उसके अन्य बच्चे भी एकत्रित थे, उसकी पत्नी कुछ साल पहले ही गुजर गई थी । परिवार के सदस्यों ने स्टीफन के साथ मेरी मुलाकात को हमारे स्वर्गीय पिता से उनकी इच्छा के जवाब के रूप में देखा था कि मैं उनके पिता से उनकी मृत्यु से पहले मिलूं और पुकार का जवाब दूं । मैंने भी महसूस किया कि ऐसा ही हुआ था, क्योंकि यदि स्टीफन ठीक उसी क्षण उस कमरे में नहीं आया होता जिसमें मैं मुलाकात कर रहा था, मुझे पता भी नहीं चल पाता कि जिनी भी उसी देख-रेख केन्द्र में था ।

हमने उसे आशीष दी । शांति की आत्मा प्रबल हुई थी । हमने एक शानदार भेंट की, जिसके बाद मैं चला गया ।

अगली सुबह एक फोन कॉल से पता चला कि जिनी हैमींगवे—उसके बेटे और मेरे द्वारा दी गई आशीष पाने के ठीक 20 मिनट बाद गुजर गए थे ।

मैंने स्वर्गीय पिता से उसके मार्गदर्शन प्रभाव के लिए धन्यवाद की शांत प्रार्थना की, जिसने मुझे देख-रेख केन्द्र जाने के लिए उकसाया और मुझे अपने प्रिय मित्र एलफ्रैड यूजिनी हैमींगवे से मिलवाया था ।

मैं विचार करना चाहता हूं कि उस शाम जिनी हैमींगवे के विचार—जब हमने आत्मा की चमक में प्रभावित होकर, विनम्र प्रार्थना में भाग लिया, और पौरोहित्य आशीष को कहा—स्तुतिगीत में बताए गए शब्द गूंज रहे थे ''Master, the Tempest Is Raging'':

ठहरो, ओ आशीषित मुक्तिदाता !
मुझे अकेला मत छोड़ना,
और आनंद के साथ मैं आशीषित तट सुनिश्चित करूंगा
और आनंदायक तट पर विश्राम करूंगा ।

मैं अभी भी इस स्तुतिगीत से प्रेम करता हूं और उस दिलासा की गवाही देता हूं जो यह देता है :

चाहे प्रचंड समुद्री तूफान
या शैतान या इंसान या कुछ भी क्यों न हो,
कोई भी जल उस जहाज को नहीं डूबा सकता जिसमें
सागर और पृथ्वी और आकाश का स्वामी लेटा हो ।
वे सब शांति से उसकी आज्ञा का पालन करेंगे :
शांत, थम जा । [1]

आंसूओं और परिक्षाओं के बीच, भय और दुखों के बीच, हृदय की पीड़ा और प्रियजनों को खोने के अकेलापन के बीच, एक दिलासा है कि जीवन अनंत है । हमारा प्रभु और उद्धारकर्ता इसका जीवित गवाह है कि यह ऐसा ही है । [2] पवित्र लेख में उसके शब्द पर्याप्त हैं : ''चुप हो जाओ, और जान लो, कि मैं ही परमेश्वर हूं'' (भजन संहिता 46:10) । मैं इस सच्चाई की गवाही देता हूं ।

विवरण

1. "Master, the Tempest Is Raging," *Hymns,* no. 105 ।
2. देखें Richard L. Evans, "So Let Us Live to Live Forever," *New Era,* जुलाई 1971, 18 ।

इस संदेश से शिक्षा

यह संदेश उन्हें दिलासा दे सकता है जिन्होंने प्रियजन को मृत्यु के कारण खोया है या जो परिक्षाओं के साथ संघर्ष कर रहे हैं । अध्यक्ष मॉनसन के संदेश के अतिरिक्त, जिन्हें आप सीखाते हैं उनकी जरूरतों के अनुसार, निम्नलिखित धर्मशास्त्रों को बांटने पर विचार करें : अय्यूब 19:25–26; 1 कुरिन्थियों 15:19—22: मूसायाह 24:13–15; अनुबंध और सिद्धांत 122:7–9 । यदि प्रेरणा मिलती है, तो आप अपनी परिक्षाओं के समय मिली उद्धारकर्ता की शांति की गवाही दे सकते हैं ।

युवा

कृपया मेरे हृदय को चंगा करें

केलसी लीडो द्वारा

मेरे भाई की मृत्यु की बरसी पर, मैंने उसकी मृत्यु के पश्चात अपने समय पर विचार किया । मैंने न केवल उस अत्यंत दर्द को याद किया जिसे मैंने महसूस किया था लेकिन मैंने उन आशीषों को भी महसूस किया जो परमेश्वर ने मुझे दी थी ।

मैं कभी समझ नहीं पाई थी कैसे लोगों को प्रियजन की मृत्यु से आशीषें मिल सकती हैं । मैं समझ नहीं पाई थी कैसे मैं उससे आंनद और आभार पा सकती हूं जिसने मुझे इतना गहरी चोट पहुंचाई हो । हालांकि, एक रात में, मेरा संपूर्ण दृष्टिकोण बदल गया ।

उस रात मैं बहुत भारी हृदय के साथ बीच में ही जाग गई थी । उस दर्द से मेरा दम घुट रहा था । मैं अपने घुटने के बल झुकी और सिसकते हुए स्वर्गीय पिता से प्रार्थना की । सारे जीवनभर मुझे प्रायश्चित और यीशु मसीह की चमत्कारी चंगाई की शक्ति के विषय में सीखाया गया था । अब मेरे विश्वास की परिक्षा हो रही थी । क्या मैं वास्तव में विश्वास करती थी ? मैंने स्वर्गीय पिता से प्रार्थना मांगी कृपया मेरे हृदय को चंगा करो । वह दर्द बहुत अधिक था मैं इसे अकेले सहन नहीं कर सकती थी ।

तभी शांति, दिलासा की अनुभूति का एहसास हुआ, और प्रेम मेरे संपूर्ण शरीर में फैल गया । मुझे लगा मानो परमेश्वर ने अपनी बाहों से मुझे लिपटा लिया था और जो अत्याधिक दर्द मैं महसूस कर रही थी उससे मुझे सुरक्षित कर रहा था । मुझे अभी भी अपने भाई की कमी महसूस होती है, लेकिन मेरे दृष्टिकोण बदल गया था । इस अनुभव से मेरे लिए बहुत कुछ सीखने को था ।

मैं जानती हूं प्रभु का प्रेम और शांति उपलब्ध है । हमें केवल ग्रहण करने की आवश्यकता है ।

बच्चे

शांत होना चुनना

अध्यक्ष मॉनसन कहते हैं कि जब हम शांत और श्रद्धापूर्ण होते हैं, हम शांति महसूस कर सकते हैं और हमारे स्वर्गीय पिता की मजबूत गवाही पा सकते हैं । और पवित्र आत्मा उन तरीकों को अच्छी तरह बता सकती है जिनसे हम दूसरों की मदद कर सकते हैं ।

शांत होने के एक तरीके को लिखें या अपने माता-पिता के साथ चर्चा करें । फिर इस सप्ताह समय निकाल कर इसका प्रयास करें । जब आप कर लें, आप अपनी दैनिकी में उन अनुभूतियों और प्रेरणाओं को लिख सकते हैं जो आपको हुई थी ।

© 2013 Intellectual Reserve, Inc. द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी । अंग्रेजी अनुमतिः 6/12 । अनुवाद अनुमतिः 6/12 । *First Presidency Message, March 2013* का अनुवाद । Hindi । 10663 294

सक्रियता

कृपया प्रार्थनापूर्वक इस सामाग्री को पढ़ें और, जैसा उचित हो, उन बहनों के साथ इसकी चर्चा करें जिन से आप भेंट करती हैं। अपनी बहनों को मजबूत करने और सहायता संस्था को अपने जीवन का सक्रिय हिस्सा बनाने में मदद के लिए प्रश्नों का प्रयोग करें। ***अधिक सूचना के लिए*** **reliefsociety.lds.org** ***पर जाएं।***

विश्वास, परिवार, सहायता

हमारे भविष्यवक्ता, अध्यक्ष थॉमस एस. मॉनसन ने, हमें ''जिन्हें हमारी सहायता की जरूरत है उन्हें बचाने के लिए'' और उन्हें उठाकर ऊंचे स्थान और बहेतर मार्ग पर रखने के लिए उत्साहित किया है। ... यह प्रभु का कार्य है, और जब हम उसके काम को करते हैं, ... हम प्रभु की मदद पाने के हकदार होते हैं।'' [1]

कई साल पहले लावीन कॉल और उसकी भेंट करने वाली शिक्षिका साथी कम-सक्रिय बहन से मिलीं थीं। उन्होंने दरवाजा खटखटाया और युवा मां को अपने नहाने के कपड़ों में पाया। वह बीमार लग रही थी, लेकिन उन्हें तुरंत पता चल गया कि उसकी समस्या शराब थी। भेंट करने वाली शिक्षिकाएं संघर्ष कर रही युवा मां के साथ बैठी और बातचीत की।

उनके जाने के बाद, उन्होंने कहा, ''वह परमेश्वर की बच्ची है। उसकी सहायता करना हमारी जिम्मेदारी है।'' इसलिए वे अक्सर मिलने जाते थे। हर बार उन्हें कुछ अच्छा बदलाव नजर आता और महसूस होता था। वे बहन को सहायता संस्था में आने को कहतीं। न चाहते हुए, फिर भी वह निरंतर आती थी। उत्साहित किए जाने के बाद, वह और उसके पति और बेटी गिरजे आए थे। पति ने पवित्र आत्मा को महसूस किया था। उसने कहा, ''मैं उसे करूंगा जो बिशप कहते हैं।'' अब वे गिरजे में सक्रिय हैं और मंदिर में मुहरबंद हो चुके हैं। [2]

धर्मशास्त्रों से

3 नफी 18:32;

अनुबंध और सिद्धांत 84:106; 138:56

हमारे इतिहास से

जो भटक गए हैं उन्हें यीशु मसीह के सुसमाचार में वापस लाना हमेशा अंतिम-दिनों के संतों और सहायता संस्था के सदस्य का एक हिस्सा रहा है। अध्यक्ष ब्रिगम यंग (1801-77) ने कहा था, ''आओ हम एक दूसरे के ऊपर दया दिखाएं, ... और उन दृष्टिहीनों की मदद करें जबतक वे स्वयं अपने मार्ग को नहीं देख पाते हैं।'' [3]

एलिजा आर. स्नो, द्वितीय सहायता संस्था की महा अध्यक्षा, ने कृतज्ञापूर्ण ओगडन, यूटाह, सराअ में एक दूसरे को मजबूत करने के बहनों के प्रयास को पहचाना था। ''मैं अच्छी तरह से जानती हूं कि बहुत सेवाएं हैं जिनका कोई लेखा नहीं रखा जाता है,'' उन्होंने कहा था। लेकिन यह जानते हुए कि बहनों के कार्य का स्वर्गीय लेख रखा जाता है जब वे उन तक पहुंचती हैं जिनके हृदय ठंडे हो चुके हैं, उन्होंने कहा था: ''अध्यक्ष जोसफ स्मिथ ने कहा था इस संस्था का संगठन आत्माओं को बचाने के लिए हुआ था। ... एक पुस्तक आपके विश्वास, आपकी दया, आपके अच्छे काम, और शब्दों की रखी जाती है। ... कुछ भी व्यर्थ नहीं जाता।'' [4]

विवरण

1. Thomas S. Monson, "The Sacred Call of Service," *Liahona,* मई 2005, 55, 56।
2. सहायता संस्था की महा अध्यक्षता को लावीनी कॉल की बेटी का पत्र।
3. Brigham Young, in *Daughters in My Kingdom: The History and Work of Relief Society* (2011), 107।
4. Eliza R. Snow, *Daughters in My Kingdom,* 83 में।

मैं क्या कर सकती हूं ?

1. क्या मैं कम-सक्रिय बहन को अपने साथ सहायता संस्था सभा में आने के लिए पूछने को निडर हूं ?

2. क्या जिन बहनों की मैं देखभाल करती हूं वे मुझ से सुसमाचार के बारे में प्रश्न पूछने के लिए आश्वस्त हैं ?

© 2012 Intellectual Reserve, Inc. द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित। भारत में छपी। अंग्रेजी अनुमतिः 6/12। अनुवाद अनुमतिः 6/12। *Visiting Teaching Message, March 2013* का अनुवाद। Hindi। 10663 294